

बंटे तो बांग्लादेश जैसा होगा हाल : योगी

लखनऊ, 10 जनवरी. बांग्लादेश की घटना पर सेकुलरिज्म का ठेका चलाने वालों के मुंह बंद योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश की घटना पर विपक्षी दलों की चुप्पी पर प्रहार करते हुये कहा कि सेकुलरिज्म के नाम पर ठेका लेकर चलने वालों की दुकानें हिंदू समाज और सनातन धर्म को तोड़ने की ताकत लगाती हैं।

बांग्लादेश की घटना पर उनके मुंह पर जैसे फेविकोल व टेप चिपक गया है। शनिवार को माघ मेले में आयोजित श्रीमद् जादुगुरु रामानंदाचार्य जी के 726वें प्राकट्य महोत्सव में

शामिल होने के मौके पर योगी ने कहा जाति, मत-संप्रदाय के आधार पर विभाजन हमारे लिए उसी प्रकार से सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसे आज बांग्लादेश के अंदर देख रहे हैं।

सोम योगी ने कहा अगर हम बंटते हैं तो बांग्लादेश जैसा होगा हाल। इसीलिए आप लोग बंटों मत वरना बांग्लादेश जैसा होगा हाल हो जायेगा। वहां की घटना पर कोई बोल नहीं रहा है। सेकुलरिज्म के नाम पर ठेका लेकर चलने वालों की दुकानें हिंदू समाज और सनातन धर्म को तोड़ने की ताकत लगाती हैं, लेकिन बांग्लादेश की घटना पर उनके मुंह पर जैसे फेविकोल व टेप चिपक गया है। बांग्लादेश की

घटना पर कोई कैडल मार्च तक नहीं निकाला जा रहा। यह हमारे लिए चेतावनी भी है।

उन्होंने कहा कि जो लोग आज भी समाज को बांट रहे हैं, वे कभी हितैषी नहीं होंगे। सत्ता में रहने पर यह लोग परिवार के बाहर नहीं सोच पाते थे। यह फिर तमाम नारे देंगे, लेकिन इन्हें जब भी मौका मिलेगा तो वही करेंगे, जो पहले किया था। पहचान का संकेत, अराजकता, सनातन धर्म पर प्रहार और दंगों की आड़ में फिर हर व्यक्ति को शूलसाएंगे। हमें इसकी पुनरावृत्ति नहीं होने देनी चाहिए, डबल इंजन सरकार सनातन आस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सदैव खड़ी है।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में लगे माघ मेले में संगम पर स्नान किया और मां गंगा की पूजा अर्चना की।

हम ऐसी जगह मारेंगे, जहां दर्द ज्यादा होगा

▶ ईरान में भड़कते जनआंदोलन के बीच ट्रंप ने दी चेतावनी



वॉशिंगटन, 10 जनवरी. ईरान में भड़कते जनआंदोलन के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को खुली ओर सख्त चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई गई या उनकी हत्या की गई, तो अमेरिका सीधे हस्तक्षेप करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप की ये चेतावनी ईरान को खुले तौर पर बताती है, कि ट्रंप की मनसा सीधे तौर पर ईरान में अपना हुकूमत को दर्शाता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अमेरिका ऐसी जगह हमला करेगा, जहां ईरान को सबसे ज्यादा दर्द होगा। अमेरिका हालात पर बेहद

करीबी नजर रखे हुए है। प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को कड़ा अल्टीमेटम दे दिया है। व्हाइट हाउस में तेल और गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मॉडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने प्रदर्शनकारियों पर दमन तेज किया।

नोबेल तो मुझे ही मिलना चाहिए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान को लेकर फिर एक बार अपनी बात दोहराई। ट्रंप ने कहा कि मैंने ही भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई रुकवाई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जब पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अमेरिका आए थे, तब उन्होंने मुझे पोलो लोगों की जान बचाने के लिए धन्यवाद कहा था। ट्रंप ने आगे यह भी कहा कि 8 युद्ध रुकवाने के लिए मुझे नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने तेल व गैस से जुड़े अधिकारियों के साथ मुलाकात की।

गृह जिला में भावुक हुए सीजेआई सूर्यकांत ने साझा किए संघर्ष के दिन

▶ बार एसोसिएशन कार्यक्रम में 1984 का किस्सा सुनाया



हिसार/हांसी, 10 जनवरी. सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद जस्टिस सूर्यकांत शुकुवार को अपने गृह राज्य हरियाणा पहुंचे।

अपने जिले हिसार और हांसी में उन्होंने न सिर्फ आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, बल्कि अपने जीवन के संघर्षों और बचपन की भावुक यादों को भी साझा किया। बार एसोसिएशन के नवंबर में सीजेआई ने बताया कि पहली बार कोर्ट में कदम कब रखा और पहली फिल्म देखने का अनुभव भी यहीं से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के

बाद जस्टिस सूर्यकांत दो दिवसीय दौरे पर हरियाणा पहुंचे। शुकुवार को वह अपने जिले हिसार और हांसी में कार्यक्रमों में शामिल हुए। हिसार बार एसोसिएशन के आयोजन में उन्होंने वकीलों के नए चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अपने संघर्षों से भरे शुरुआती दिनों को याद करते हुए कई व्यक्तिगत किस्से साझा किए।

प्रवीण सिंह की माता जी का निधन

चाकघाट 10 जनवरी, समीपस्थ ग्राम पंचायत - पनासी निवासी लाल प्रवीण सिंह की माता जी श्रीमती किशोरी सिंह जी (पत्नी स्वर्गीय लाल प्रभाकर सिंह जी पानसी) का निधन विगत 5 जनवरी 2026 दिन सोमवार को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम - पनासी में ही सम्मान पूर्वक किया गया। मम्मा साहब के शव यात्रा में गांव के सभी गणमान्य, परिवारजन व उनके सभी रिश्तेदारों ने सम्मिलित होकर अश्रु परित्र नेत्रों से अंतिम विदाई देते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर परमपिता परमात्मा से प्रार्थना किया है कि मम्मा साहब को अपने श्री चरणों में स्थान दें, जिससे परिवजनों को भी शांति की अनुभूति हो।

नीतीश के भारत रत्न पर जेडीयू में महासंग्राम

पटना, 10 जनवरी. बिहार की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग ने जनता दल यूनाइटेड के भीतर ही जबरदस्त घमासान पैदा कर दिया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी की ओर से प्रधानमंत्री को लिखी गई चिट्ठी ने जेडीयू को दो खेमों में बांट दिया है। जहां एक ओर जेडीयू के कई नेता इससे दूरी बना रहे हैं, वहीं बीजेपी और एनडीए के सहयोगी इसे हवा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए भारत रत्न की मांग अब केवल सम्मान का मुद्दा नहीं रह गई है, बल्कि यह बिहार की राजनीति में एक बड़ी रणनीतिक लड़ाई का रूप ले चुकी है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र



मोदी को पत्र लिखकर नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग करने के बाद पार्टी के भीतर ही तीखा विरोध शुरू हो गया है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद और नीरज कुमार ने इस मांग को केसी त्यागी की व्यक्तिगत राय बताते हुए पार्टी से दूरी बना ली। यहां तक कह दिया गया कि केसी त्यागी पार्टी में सक्रिय भी हैं या नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि पार्टी के ही वरिष्ठ नेता और मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने त्यागी के बयान को गलत नहीं बताया।

विपक्षी आरजेडी ने इस मौके को लपकते हुए नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला और केसी त्यागी की मंशा पर सवाल खड़े किए। वहीं एनडीए के घटक दलों, खासकर जीवन राम मांझी और विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने केसी त्यागी की मांग का खुलकर समर्थन किया। बीजेपी नेता गिरिराज सिंह भी पहले ही नीतीश को भारत रत्न देने की बात कह चुके हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इसके पीछे एक गहरी रणनीति छिपी है। भारत रत्न अवसर किसी नेता के सार्वजनिक जीवन के अंतिम सम्मान के रूप में देखा जाता है।

एक नजर में



इंडियन नेवी हल्दिया में बना रहा अपना बेस

नई दिल्ली, 10 जनवरी. भारतीय नौसेना उत्तरी बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में भारत की समुद्री मौजदगी को बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक नया बेस बनाने जा रही है। यहां से बांग्लादेश-चीन पर पैनी नजर रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार यह बेस एक नवी डिस्टेंसमेंट के तौर पर काम करेगी। इसका फोकस छोटे टुइपों को तैनात करने पर होगा। हुगली नदी पर स्थित यह बेस फास्ट पैट्रोल और अटक क्राफ्ट को पोर्ट करेगा। इस बेस के ऑपरेशन में आने के बाद भारत के पूर्वी समुद्री तट पर तटीय सुरक्षा, समुद्री डकैती विरोधी अभियान, आपदा राहत और विपक रिसपॉन्स को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम नेवी की बड़ी विस्तार योजनाओं के भी मुताबिक है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि नॉर्थ बंगाल की खाड़ी में भारत का यह कदम कई कारणों से उठाया है। इसमें हिंद महासागर क्षेत्र में पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की बढ़ती गतिविधियां अहम कारण है।

चार रणबाकुओं को मरणोपरांत सेना पदक

नई दिल्ली 10 जनवरी. कैप्टन ब्रजेश थापा, लॉस नायक स्टॉजिन तर्गियास, राइफलमैन मोहित राठी और राइफलमैन हिलाल अहमद भट को शनिवार को मरणोपरांत सेना पदक (वीरता) से सम्मानित किया गया। दिल्ली छावनी स्थित मानेकेश सेंटर में सेना की पश्चिमी कमान के अलंकरण समारोह में ये सम्मान प्रदान किये गये। समारोह में छह युद्ध सेवा पदक, 30 सेना पदक (वीरता), एक बार टू सेना पदक (विशिष्ट), 19 सेना पदक (विशिष्ट) और 44 विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किये गये। सेना की वायु रक्षा कोर से संबंध रखने वाले और 10 राष्ट्रीय राइफलमेंट में तैनात कैप्टन (शहीद) ब्रजेश थापा ने 14 जुलाई 2024 को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान अराधाराण साहस का प्रदर्शन किया। वन क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की विशेष खफिया सूचना के आधार पर उन्होंने तलाशी अभियान का नेतृत्व किया।

एसआईटी खोलेगी पाक का सच

नई दिल्ली, 10 जनवरी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा है कि पाक नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ विशेष जांच दल की जांच की पूरी रिपोर्ट जनवरी के भीतर जारी कर दी जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक बड़ी साजिश है, जिसके बारे में असम के लोगों को पता होना चाहिए और इस मामले की जांच के निष्कर्ष बेहद गंभीर हो सकते हैं। हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि उनका मानना है कि वर्तमान में राज्य के पाक मौजूद दस्तावेज केवल शुरूआत हैं और मामले की व्यापकता को देखते हुए राज्य पुलिस बल की पहुंच सभी भौतिक साक्ष्यों तक नहीं हो सकेगी।

नहीं पहनना होगा अंग्रेजों का बंद गला कोट

भारतीय रेल ने तोड़ी ब्रिटिश परंपरा, बदली यूनिफॉर्म

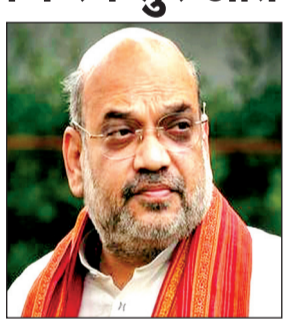


नई दिल्ली, 10 जनवरी. भारतीय रेलवे ने औपनिवेशिक विरासत से दूरी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक कदम उठाया है। अंग्रेजों के शासनकाल से चली आ रही बंद गला काले कोट की परंपरा को अब रेलवे की औपचारिक यूनिफॉर्म से हटा दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 9 जनवरी 2026 से बंद गला काले कोट (ब्लैक प्रिंस कोट) को रेलवे की औपचारिक ड्रेस से हटाने की घोषणा की है। यह फैसला रेलवे के विभिन्न जोन और अधिकारियों को सम्मानित करने के एक कार्यक्रम के दौरान लिया गया।

अधिकारियों और कर्मचारियों को अब उस परिधान से मुक्ति मिल गई है, जिसे ब्रिटिश शासन के दौर की पहचान माना जाता था। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 9 जनवरी 2026 से बंद गला काले कोट (ब्लैक प्रिंस कोट) को रेलवे की औपचारिक ड्रेस से हटाने की घोषणा की है। यह फैसला रेलवे के विभिन्न जोन और अधिकारियों को सम्मानित करने के एक कार्यक्रम के दौरान लिया गया।

शाह आज केरल भाजपा के विस चुनाव अभियान की करेंगे शुरुआत

तिरुवनंतपुरम, 10 जनवरी. केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को केरल में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के चुनाव अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे।



इस दौरान श्री शाह कोडियार में स्थानीय निकाय चुनावों में जीते भाजपा प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। अमित शाह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक सभा को भी संबोधित करेंगे एवं केरल के लिए भाजपा का राजनीतिक रोडमैप बताएंगे। वह जमीनी स्तर पर पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। पार्टी नेताओं

ने कहा कि अभियान शुरू करने का मकसद कार्यकर्ताओं में जोश भरना और सभी निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहुंच को मजबूत करना है। अभियान विकास, सुशासन और राष्ट्रीय एकता पर फोकस करेगा, साथ ही राज्य में वर्तमान सरकार की नाकामियों को भी उजागर करेगा।

पीएम मोदी 17 को करेंगे पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन

नई दिल्ली, 10 जनवरी. देश को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिलने जा रही है। दिल्ली में आयोजित अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जनवरी को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। ये ट्रेन कोलकाता और गुवाहाटी के बीच चलेगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के शुभारंभ के साथ छह नई अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी की जा रही है। यात्रियों के लिए इन ट्रेनों की सेवाएं 17 और 18 जनवरी से मिलने लेंगीं। पीएम पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। ये ट्रेन सप्ताह में 6 दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच चलेगी। रेल मंत्री ने बताया कि साल 2026 में भारतीय रेलवे में कई वंदे सुधार होने वाले हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर नए

ट्रेनों और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। 52 हफ्तों में 52 सुधार पेश किए जाएंगे, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय रेलवे का एक नया रूप देखने को मिले। ट्रेनों में टेक्नोलॉजी और इन्वोवेशन के लिए एक नया स्ट्रक्चरल तरीका लाया जाएगा।

नामांतरण सूचना

नंद किशोर सोनी पिता मातादीन सोनी निवासी वाई क्रमांक 8 नगर परिषद कोटी थाना लहरीला कोटी जिला सतना मध्य प्रदेश का निवासी होकर बलबक बयान करता हूँ कि मेरा आधार नंबर 6915572563 48 का होकर सूचित करता हूँ कि मेरे नाम पर नगर परिषद कोटी सतना जिला के वाई क्रमांक 8 में निर्मित दुकान क्रमांक 43 मेरे नाम से एलाट है उसको मैं स्वतः अश्विनी गुप्ता पिता मनीष गुप्ता निवासी वाई क्रमांक 9 नगर परिषद कोटी पोस्ट कोटी के नाम द्वारा, नामांतरण करना चाहता हूँ जिस किसी को भी उक्त दुकान के संबंध में आपत्ति हो तो वह 15 दिवस के अंदर अपनी नगर परिषद कोटी कार्यालय में आपत्ति दर्ज करायें। कोटी, दिनांक नंदकिशोर सोनी पिता मातादीन सोनी, ग्राम पोस्ट कोटी थाना कोटी जिला सतना मध्य प्रदेश

आस्था भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित है मंदिर

अजय-शाश्वत आस्था का संगम सोमनाथ

अहमदाबाद, 10 जनवरी. भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का शाश्वत प्रतीक है। यह वह ज्योतिर्लिंग है, जिसका उल्लेख बारह ज्योतिर्लिंग स्तोत्र में सबसे पहले किया गया है। सौराष्ट्र सोमनाथस्थानी बारह ज्योतिर्लिंगों में सोमनाथ प्रथम स्थान पर है। यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सभ्यतागत श्रेष्ठता का भी संकेत है। महादेव के प्रथम मंदिर में सोमनाथ का नाम है। विरासत और विश्वनाथ का प्रतिक सोमनाथ जी हैं। ये बात तो हर कोई



जानता है कि जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पक्ष में नहीं थे। जब सोमनाथ मंदिर बनकर तैयार हो गया। तब मंदिर टूटने भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन समारोह में आने का

निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सम्मान और गर्व के साथ स्वीकार कर लिया। लेकिन जैसे ही इसकी जानकारी तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को हुई, उन्होंने आपत्ति जताई।